फ़ार्म हाउस में मम्मी

“प्रेषक : विजय पण्डित मेरे पुरखे काफ़ी सम्पत्ति छोड़ गये थे। मेरे पिता की मृत्यु छः-सात साल पहले हो चुकी थी। मेरी मम्मी और उनके मैनेजर ही सारा व्यापार सम्भालते थे। मेरा फ़ार्म-हाऊस घर से बीस बाईस किलोमीटर की दूरी पर था। उसे मैं ही सम्भालता था। फ़ार्म-हाऊस क्या था मेरी ऐशगाह था। मैं दोस्तों […] ...”

Story By: (vijaypanditt)
Posted: शनिवार, अक्टूबर 13th, 2007
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: फ़ार्म हाउस में मम्मी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फ़ार्म हाउस में मम्मी

प्रेषक : विजय पण्डित

मेरे पुरखे काफ़ी सम्पत्ति छोड़ गये थे। मेरे पिता की मृत्यु छः-सात साल पहले हो चुकी थी। मेरी मम्मी और उनके मैनेजर ही सारा व्यापार सम्भालते थे। मेरा फ़ार्म-हाऊस घर से बीस बाईस किलोमीटर की दूरी पर था। उसे मैं ही सम्भालता था। फ़ार्म-हाऊस क्या था मेरी ऐशगाह था। मैं दोस्तों के साथ वहाँ पार्टियां करता था। मम्मी उस तरफ़ नहीं आती थी। मैं कॉलेज पढ़ता था … और कैसे ना कैसे मैं पास हो ही जाता था। मेरी मम्मी का घर में एक अलग ही भाग था, जहाँ पर वो अपने खास सहयोगियों के साथ काम किया करती थी।

मुझे एक दिन कॉलेज जाने से पहले मम्मी से काम पड़ा तो मैं सीधे ही उनकी तरफ़ के हिस्से में चला आया। मुझे लगा अभी वहाँ कोई नहीं है। पर मुझे कहीं से एक हंसी की आवाज सुनाई दे गई।

ओह ! तो मम्मी पिछले कमरे में हैं।

धीमी-धीमी आवाजें अब भी आ रही थी। यकायक मुझे खिड़की से किसी की एक झलक दिखाई दे गई। मेरा दिल धक से रह गया। मुझे लगा कि मुझे यह अचानक क्या दिखलाई दे गया। मैं चुपके से उस खिड़की के पास फिर चला आया। उसके थोड़े से खुले भाग से मुझे सब कुछ साफ़ साफ़ दिखाई दे गया।

मम्मी को दो मर्द आगे व पीछे से जबरदस्त तरीके से खड़े-खड़े चोद रहे थे। मम्मी दोनों के बीच नंगी खड़ी चुद रही थी। मुझे अपनी आँखों पर एकदम से विश्वास नहीं आया। पर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वास्तव में मम्मी उस चुदाई का खूब आनन्द उठा रही थी।

अचानक मां की नजर मुझ पर पड़ गई।

मेरी जैसे सांसें रुक गई। मैं जल्दी से वहाँ से हट गया और दबे पांव वहाँ से बाहर निकल आया। मैं अपने कमरे में जाकर बिस्तर पर लुढ़क गया और गहरी चिन्ता में डूब गया। जाने कब मम्मी मेरे कमरे में आ गई।

“बेटा, तुने जो देखा है … किसी को बताना मत !”

मैं हड़बड़ा कर उठ बैठा और प्रश्नवाचक मुद्रा में उन्हें देखा। मां ने मुझे समझाने की कोशिश की,”प्लीज, ऐसे मत देख मुझे, मेरी जवानी में ही तेरे पापा चल बसे थे। मैं चाहती तो दूसरी शादी कर सकती थी, पर नहीं की। समय के साथ मेरा मन भटकने लगा और मैं अनचाहे रिश्तो में उलझ गई। मेरी अन्दर की जरूरतें मुझसे सही नहीं गई और वर्मा जी को मैंने हमराज बना लिया। फिर मेहता जी भी मेरे साथ हो लिये।

बेटा मुझे माफ़ कर दे…”

मैने मां की शारीरिक मांग को समझ लिया था। मैं उठ कर मां के गले लग गया।

“ओह, मम्मी, मैं आपकी बात समझ गया … मुझे आप से कोई शिकायत नहीं है… अब मैं उस तरफ़ आपको फ़ोन करके ही आऊंगा !”

मां ने मुझे चूम लिया। मेरा दिल भी हल्का हो गया। मुझे वास्तव में पाँच हजार रुपयों की आवश्यकता थी, मम्मी कहीं भी चुदाती फ़िरे मुझे इससे क्या ?

पर हाँ, चुदाई अनैतिक तरीके से मम्मी भी कराती है … तो फिर मुझे लड़कियों से दोस्ती करने से कौन रोक सकता था ? मैने मां से रुपये लिये, गाड़ी निकाली और दोस्तों के साथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फ़ार्महाऊस पहुँच गया। वहाँ दारू और मांस की पार्टी शाम तक चली।

“सुन कैलाश, अपनी क्लास में वो तीन-चार चालू लड़कियाँ हैं ना, उन्हें पटा यार… कुछ पैसे भी खर्च देंगे यार !”

“नीतू, और रेखा को तो धीरज जानता है… पैसे से तो वो आ जायेंगी !” कैलाश ने अपनी राय दी।

“अरे राहुल ! वो राखी और चन्दा !”

“अरे वो चिकनी … उसे तू ले आना … पर संजू, उनका करेंगे क्या ?”

“अरे यार भांग पिला कर उन्हें खूब चोदेंगे … नशे में तो वो चुदवा भी लेंगी !”

“ठीक है ना यार… जो नहीं मानेगी तो उसे नहीं चोदेंगे और क्या …”

“चलो, सनडे को सवेरे का प्रोग्राम रखते हैं।”

सभी कैलाश, राहुल, धीरज और विवेक मेरे साथ खुशी से चल दिये। घर आकर मेरे विचार में आया कि मम्मी को ब्लैकमेल किया जाये। मम्मी भी अगर पार्टी में रहेंगी तो लड़कियाँ आसानी से आ जायेंगी।

मैंने मम्मी को अपनी योजना बताई। तो उन्होंने मुझे पहले तो बहुत डांटा। मैंने उन्हें उनकी चुदाई की बात जब याद दिलाई तो वो तैयार हो गई।

कॉलेज में मैने जब यह बताया कि मेरी मां भी आ रही है तो चारों लड़कियाँ तैयार हो गई। पर हाँ लड़कों ने आपत्ति दर्शाई। उन्हें लगा कि सामने मां होंगी तो फिर चुदा लिया लड़कियों ने !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीन लड़कियाँ तो यह सोच कर तैयार हो गई कि चुदाई पर पैसे तो मिलेंगे। मेरी दोनों कारें सभी के घर उन्हें लेने पहुँच गई। मेरी मां को देख कर किसी के मां-बाप ने इन्कार नहीं किया।

हम कुल आठ-नौ जने हो गये थे। फ़ार्म हाऊस पहुंचते हुए हमें लगभग दिन का एक बज गया था। घर से लाये हुये कुछ खाने का सामान हमने खाला और लड़कियाँ और लड़के मिलकर पकौड़े बनाने लगे।

“अरे वो राखी कहाँ है… ?”

“राहुल भी नहीं है … कुछ समझे, टांका भिड़ गया लगता है।”

“तेरा मतलब राहुल उसे चो…”

“शी… चुप… तुझे क्या है… काम कर !”

“क्या बात है … राखी की बहुत याद आ रही है … और हाँ बताओ तो वो क्या कह रहे है ?” चन्दा ने तिरछी नजरों से धीरज को देखा।

लड़कियाँ धीरे धीरे पकौड़े चुरा चुरा कर खा रही थी। रेखा पकौड़े ले कर मम्मी को कमरे में खिला रही थी। कुछ ही देर में लड़कियाँ भांग के पकौड़े खा कर नशे में झूमने लगी थी। बाहर रिमझिम बरसात होने लगी थी। मौसम हमारा साथ दे रहा था। तभी धीरेज ने राखी को एक कौने में ले जा कर दबा लिया। वो दोनो वहीं गुत्थम गुत्था हो कर उसी कौने में चूमा चाटी करने लगे। इतने में मधु नशे में

बारिश में बाहर निकल गई। लॉन में हरी घास में लोटने लगी। मैने मौका देखा और चिकनी मधु के पास आ गया। मधु एक चालू लड़की थी, मुझे अपने समीप देख कर उसने मेरा हाथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पकड़ लिया। मैं उसके पास आ गया। मौका देख कर मैंने उसके उरोज दबा दिये। वो सिमट कर हंसने लगी। फिर उसने मुझे अपनी बाहों को खोल कर अपने छाती से चिपका लिया।

“ऐ संजू, वो देख तो…”

मैंने मुड़ कर देखा तो राखी नंगी हो कर एक झाड़ी के पीछे पड़ी थी। राहुल उस पर चढ़ा हुआ उसे चोद रहा था। वो फिर और जोर से हंसी और मुझे लॉन के दूसरे भाग उसने दिखाया, वहाँ चन्दा खूब जोर जोर से हंस रही थी और धीरज उसे खड़े-खड़े चोद रहा था।

तभी मुझे विवेक भी नजर आ गया, वो किसी ओर को नहीं बल्कि मेरी मम्मी की गाण्ड चोद रहा था। मेरे ऊपर वासना का रंग चढ़ने लगा था। मैने उसे नर्म हरी घास पर लेटा दिया था और मधु ने अपनी जींस उतार फ़ेंकी।

“ऐ संजू, गाण्ड चुदाई के दस हजार और चूत मारने के एक हजार … मंजूर है… ?”

“बस … मैं दोनों के पन्द्रह हजार दूंगा… चल पहले गाण्ड चुदा…”

वो हंसते हुये उल्टी हो कर घोड़ी बन गई। मां ने दूर से मुझे देखा और मुस्करा दी, मैं भी प्रति-उत्तर में मुस्करा दिया। मेरा लण्ड मधु की नरम गाण्ड में उतर चुका था। औरों की तरह मैं भी चुदाई में लिप्त हो गया। बस नीतू नंगी हो कर अपने मम्में मसलते हुये हम सबको देख रही थी। कभी वो धीरज के पास जाती और अपनी चूचियाँ चुसवाती। कभी राहुल के पास जाकर उसकी उसकी गाण्ड में अंगुली पिरो देती। उस बेचारी का कोई साथी नहीं था। कैलाश किसी कारणवश नहीं आ पाया था। वो उसी की प्रेमिका थी। सबसे आखिर में मेरे पास आई। मैने मधु को छोड़ दिया और नीतू को पकड़ कर नीचे पटक दिया।

“सन्जू भैया, ये मत करो, ये तो बस कैलाश के लिये है।”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“जानू मुझे ही कैलाश समझ लो … चुदवा लो यार !”

“अरे, छोड़ दो उसे … मुझे चोदो ना…” मधु चीख उठी।

नीतू ने मधु को देखा, फिर उसे लगा कि जरूर कोई बात है, उसने मुझे कस कर पकड़ लिया,”अच्छा भैया चोद दे … जल्दी कर ना… !”

मैने लण्ड नीतू की चूत में रख कर अन्दर दबा दिया। नीतू आनन्द से चीख उठी। वो चुदने लगी… हम दोनो मस्ती में किलकारियाँ मार रहे थे। कुछ ही देर में हम सातवें आसमान में थे… काफ़ी देर चुदाई के बाद हमारा माल निकल गया और हम एक दूसरे पर पड़े हुये गहरी सांसें ले रहे थे। रिमझिम वर्षा की फ़ुहारें अभी भी हमारे नंगे बदन पर पड़ रही थी। मैं ज्योंही उठा सबकी तालियों की आवज आई। मैने चौंक कर देखा, सभी मेरे चारों ओर घेरा बना कर खड़े था। फिर एक बार और तालियाँ बज उठी।

कैलाश जाने कब आ गया था और पास ही में मधु को चोद रहा था। नीतू सबके इस तरह से देखने पर शरमा गई। मधु भी अपने आप को छुपाने लगी।

मम्मी भी मुस्करा कर बोल उठी,”ये तो आज नहीं तो कल सभी के साथ होना है … इसलिये अपनों के सामने शर्माओ नहीं … खुल कर खेलो, अभी तुम जवान हो, मस्ती से खुल कर चुदाओ… मेरी तरफ़ से सभी लड़कियों को पच्चीस-पच्चीस हजार मिलेंगे … सब खुश हो जाओ … जब भी मेरा बेटा ऐसी पार्टी देगा … ये इनाम जरूर मिलेगा।”

सभी ने उछल उछल कर तालियां बजाई। एक दो लड़कियों ने तो मेरी मम्मी के बोबे तक दबा दिये… गाण्ड के गोले तक उमेठ दिये। फिर मम्मी ने एक घोषणा और की,”जो मेरे बेटे से चुदवायेगी, उसे बोनस तीस हजार और दूंगी… आज ये मधु और नीतू को मिलेगा।”

सभी बहुत खुश हो गये थे। धीरज तो इतना खुश हुआ कि उसने मेरी मम्मी को नंगी लेटा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर चोदना आरम्भ कर दिया। उनकी चुदाई खत्म होने पर मम्मी ने अपने गले का सोने का हार धीरज के गले में डाल दिया। शाम ढलने पर उसी धीमी वर्षा में सभी लौटते समय एक होटल में रुक गये। शाम का खाना होटल में ही खाया। और फिर एक एक लड़की को मेरी मम्मी घर तक छोड़ने गई। उनके घर वालों को धन्यवाद दिया।

विजय पण्डित

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक […]
Full Story >>>

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाज़ा बंद किया […]
Full Story >>>

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। […]
Full Story >>>

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर […]
Full Story >>>

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे… मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर… नीचे को बैठ गया… अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था… मैंने अंदर की ओर देखा… अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Delhi Sex Chat

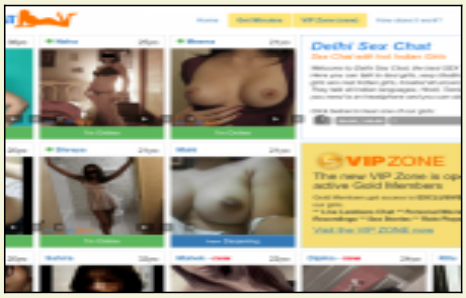

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire